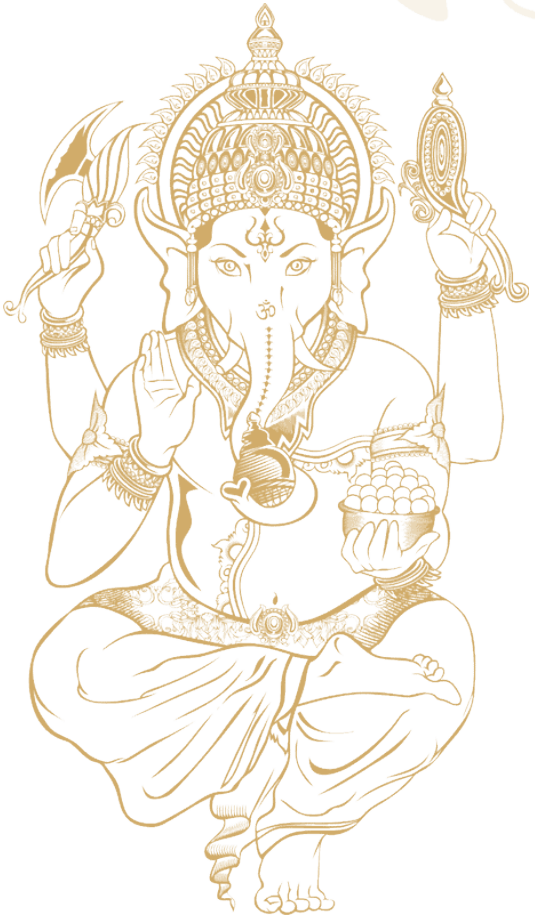

Brother of prachi

16 Oct 2001

11:58 PM

Shamli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121467704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/10/2001**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**23:58:00 घंटे**
इष्ट	43:57:39 घटी
स्थान	**Shamli**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:27:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:37:12 घंटे
वेलान्तर	00:14:26 घंटे
साम्पातिक काल	01:18:33 घंटे
सूर्योदय	06:22:56 घंटे
सूर्यास्त	17:49:31 घंटे
दिनमान	11:26:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	29:34:47 कन्या
लग्न के अंश	05:37:25 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वैधृति
करण	नाग
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	05:37:25	306:03:07	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			कन्या	29:34:47	00:59:33	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			कन्या	29:03:07	14:43:33	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
मंगल			धनु	28:45:28	00:39:35	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
बुध	व	अ	कन्या	23:49:19	01:02:14	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	स्वराशि
गुरु			मिथु	21:20:57	00:03:16	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	07:42:45	01:14:26	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	नीच राशि
शनि	व		वृष	20:44:22	00:02:07	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	05:33:38	00:10:16	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	05:33:38	00:10:16	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:06:58	00:00:42	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:06:56	00:00:03	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:26:27	00:01:39	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	27:22:17	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:37

लग्न-चलित

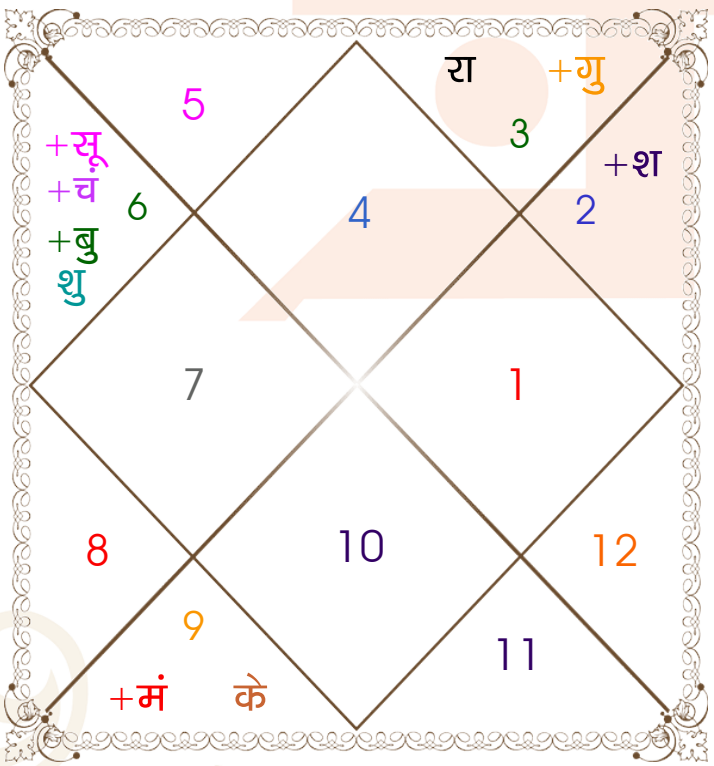

चन्द्र कुंडली

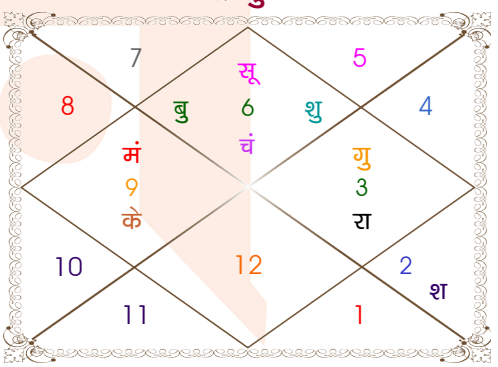

नवमांश कुंडली

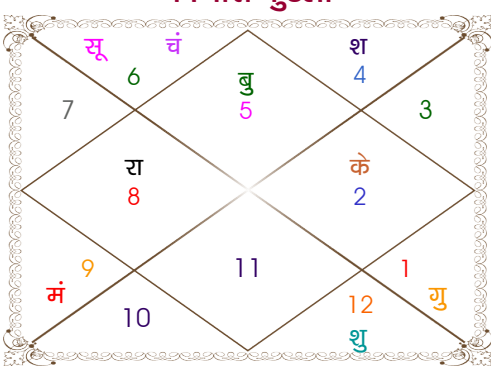

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 11 मास 29 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/10/2001		16/10/2005		16/10/2023		16/10/2039		16/10/2058	
16/10/2005		16/10/2023		16/10/2039		16/10/2058		16/10/2075	
	00/00/0000	राहु	28/06/2008	गुरु	03/12/2025	शनि	19/10/2042	बुध	14/03/2061
	00/00/0000	गुरु	21/11/2010	शनि	16/06/2028	बुध	28/06/2045	केतु	11/03/2062
	16/10/2001	शनि	27/09/2013	बुध	22/09/2030	केतु	07/08/2046	शुक्र	09/01/2065
शनि	16/04/2002	बुध	16/04/2016	केतु	28/08/2031	शुक्र	07/10/2049	सूर्य	15/11/2065
बुध	13/04/2003	केतु	04/05/2017	शुक्र	28/04/2034	सूर्य	19/09/2050	चंद्र	17/04/2067
केतु	10/09/2003	शुक्र	04/05/2020	सूर्य	15/02/2035	चंद्र	19/04/2052	मंगल	13/04/2068
शुक्र	09/11/2004	सूर्य	29/03/2021	चंद्र	16/06/2036	मंगल	29/05/2053	राहु	31/10/2070
सूर्य	17/03/2005	चंद्र	28/09/2022	मंगल	23/05/2037	राहु	04/04/2056	गुरु	05/02/2073
चंद्र	16/10/2005	मंगल	16/10/2023	राहु	16/10/2039	गुरु	16/10/2058	शनि	16/10/2075

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/10/2075		16/10/2082		17/10/2102		16/10/2108		17/10/2118	
16/10/2082		17/10/2102		16/10/2108		17/10/2118		00/00/0000	
केतु	13/03/2076	शुक्र	14/02/2086	सूर्य	03/02/2103	चंद्र	17/08/2109	मंगल	15/03/2119
शुक्र	13/05/2077	सूर्य	15/02/2087	चंद्र	05/08/2103	मंगल	18/03/2110	राहु	02/04/2120
सूर्य	18/09/2077	चंद्र	15/10/2088	मंगल	11/12/2103	राहु	17/09/2111	गुरु	08/03/2121
चंद्र	19/04/2078	मंगल	16/12/2089	राहु	04/11/2104	गुरु	16/01/2113	शनि	17/10/2121
मंगल	15/09/2078	राहु	15/12/2092	गुरु	23/08/2105	शनि	17/08/2114		00/00/0000
राहु	04/10/2079	गुरु	16/08/2095	शनि	05/08/2106	बुध	16/01/2116		00/00/0000
गुरु	09/09/2080	शनि	16/10/2098	बुध	11/06/2107	केतु	17/08/2116		00/00/0000
शनि	19/10/2081	बुध	17/08/2101	केतु	17/10/2107	शुक्र	17/04/2118		00/00/0000
बुध	16/10/2082	केतु	17/10/2102	शुक्र	16/10/2108	सूर्य	17/10/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 0 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।